



॥ श्रीरामाष्टकम् ॥

॥ Ramashtakam Sankrit ॥

महर्षि वेदव्यास जी द्वारा रचा गया -

Shri Ram Stuti Lyrics

भजे विशेषसुन्दरं समस्तपापखण्डनम् ।
स्वभक्तचित्तरञ्जनं सदैव राममद्वयम् ॥ १ ॥

Meaning in Hindi : मैं उस श्रीराम का भजन करता हूँ जो अत्यंत सुंदर हैं, सभी पापों का नाश करने वाले हैं और अपने भक्तों के मन को आनंदित करते हैं। वे सदा एकरस (अद्वैत) स्वरूप में स्थित हैं।

जटाकलापशोभितं समस्तपापनाशकम् ।
स्वभक्तभीतिभङ्जनं भजेह राममद्वयम् ॥ २ ॥

Meaning in Hindi :: मैं उन श्रीराम की पूजा करता हूँ जिनकी जटाएँ अत्यंत शोभायमान हैं, जो सभी पापों को नष्ट करते हैं और अपने भक्तों के भय को दूर कर देते हैं।

निजस्वरूपबोधकं कृपाकरं भवापहम् ।
समं शिवं निरञ्जनं भजेह राममद्वयम् ॥ ३ ॥

Meaning in Hindi : वे भगवान अपने वास्तविक स्वरूप का ज्ञान देने वाले हैं, अत्यंत कृपालु हैं और संसार के दुखों को दूर करने वाले हैं। वे समान भाव वाले, कल्याणकारी और निष्कलंक हैं।

सहप्रपञ्चकल्पितं ह्यनामरूपवास्तवम् ।
निराकृतिं निरामयं भजेह राममद्वयम् ॥ ४ ॥

Meaning in Hindi : यह संसार भगवान की माया से बना हुआ है, लेकिन वास्तव में वे नाम और रूप से परे हैं। वे निराकार और सभी रोग-दोषों से मुक्त हैं—मैं ऐसे श्रीराम का भजन करता हूँ।

निष्प्रपञ्चनिर्विकल्पनिर्मलं निरामयम् ।
चिदेकरूपसन्ततं भजेह राममद्वयम् ॥ ५॥

Meaning in Hindi : भगवान श्रीराम इस संसार से परे हैं, किसी भी विकल्प या भेदभाव से रहित हैं, शुद्ध और निरोग हैं। वे चैतन्य (चेतना) के एकमात्र रूप में निरंतर स्थित हैं।

भवाब्धिपोतरूपकं ह्यशेषदेहकल्पितम् ।
गुणाकरं कृपाकरं भजेह राममद्वयम् ॥ ६॥

Meaning in Hindi : वे भगवान इस संसार रूपी समुद्र से पार कराने वाली नाव के समान हैं। वे सभी शरीरों में व्याप्त हैं, गुणों के भंडार और अत्यंत कृपालु हैं।

महावाक्यबोधकैर्विराजमनवाक्पदैः ।
परब्रह्म व्यापकं भजेह राममद्वयम् ॥ ७॥

Meaning in Hindi : महावाक्यों (वेदों के गूढ़ ज्ञान) से जिनका बोध होता है, जो शब्दों से परे हैं, ऐसे सर्वव्यापक परब्रह्म श्रीराम का मैं भजन करता हूँ।

शिवप्रदं सुखप्रदं भवच्छिदं भ्रमापहम् ।
विराजमानदैशिकं भजेह राममद्वयम् ॥ ८॥

Meaning in Hindi : वे भगवान कल्याण देने वाले, सुख देने वाले, जन्म-मरण के दुख को समाप्त करने वाले और भ्रम (मोह) को दूर करने वाले हैं। वे गुरु के रूप में प्रकाशित होते हैं।

रामाष्टकं पठति यः सुकरं सुपुण्यं
व्यासेन भाषितमिदं शृणुते मनुष्यः ।
विद्यां श्रियं विपुलसौख्यमनन्तकीर्तिं
सम्प्राप्य देहविलये लभते च मोक्षम् ॥ ९॥

Meaning in Hindi : जो मनुष्य इस रामाष्टक का पाठ करता है या सुनता है, वह विद्या, धन, अपार सुख और अनंत यश प्राप्त करता है। अंत में शरीर त्यागने पर उसे मोक्ष (मुक्ति) मिलती है।